Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



ARJUN BATCH

11th History

Chapter-4 | Part-8

तीन वर्ग (Three Orders)

चौथा वर्ग-नगर और नगरवासी, कथीड्रल नगर

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

आज क्या पढ़ेंगे ?

1. चौदहवीं सदी का संकट
2. सामाजिक असंतोष → विद्रोह
3. राजनीतिक परिवर्तन

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

14 वीं सदी का संकट



- कारण
  - ① मौसम में परिवर्तन → तापमान
    - (↓) (↑)
      - फसलों उत्पादन (↓)
        - ↓ व्यापार (↓)
        - ↓ कृषकों की उत्पादन
  - ② आंधी का कहर
  - ③ अर्थव्यवस्था में गिरावट
  - ④ भू-उपयोग परिवर्तन

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

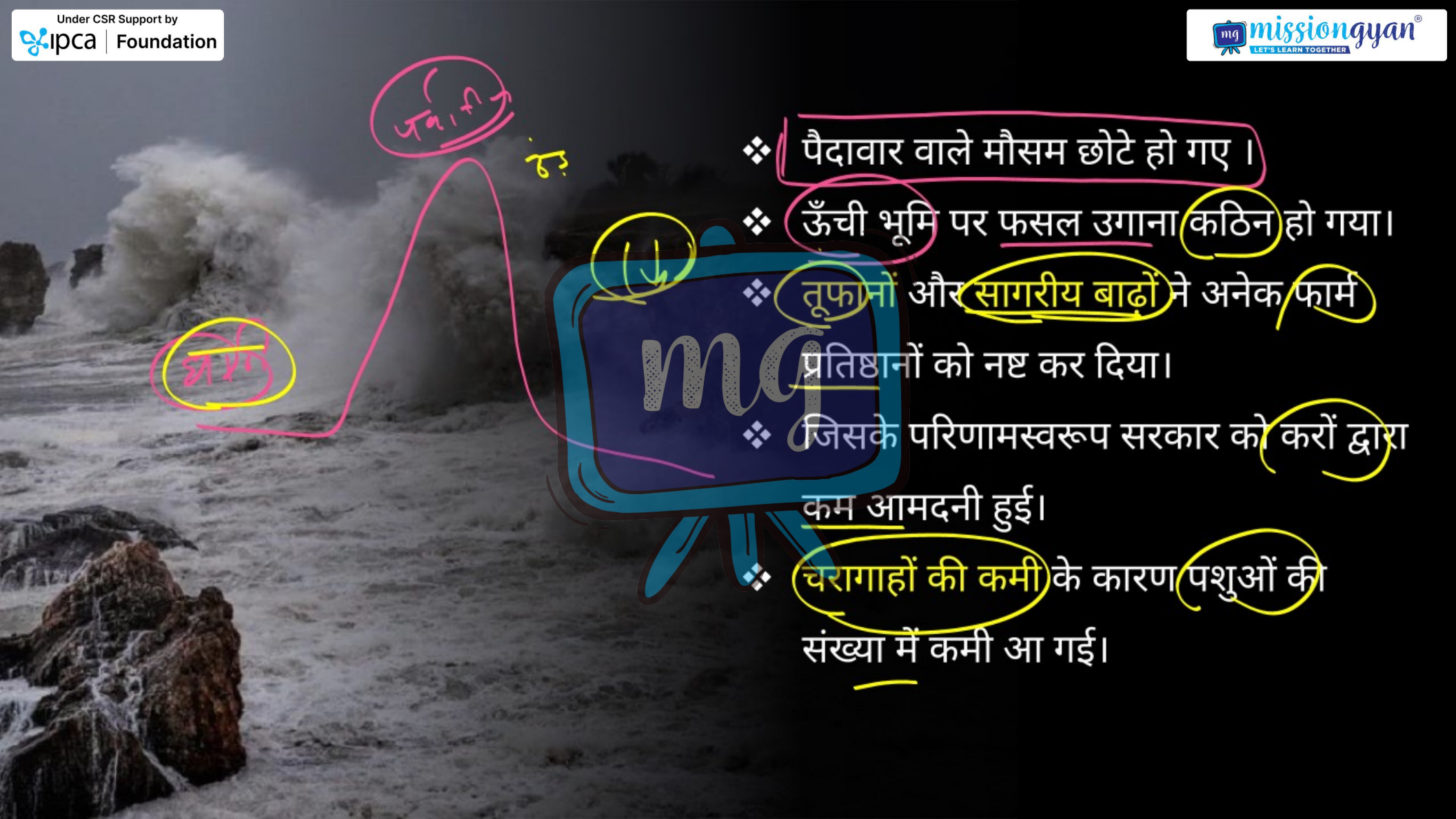
चौदहवीं सदी का संकट

- इस समय यूरोप का आर्थिक विस्तार धीमा पड़ गया।
- उत्तरी यूरोप में तेज़ ग्रीष्म ऋतु का स्थान तीव्र ठंडी ग्रीष्म ऋतु ने ले लिया था।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

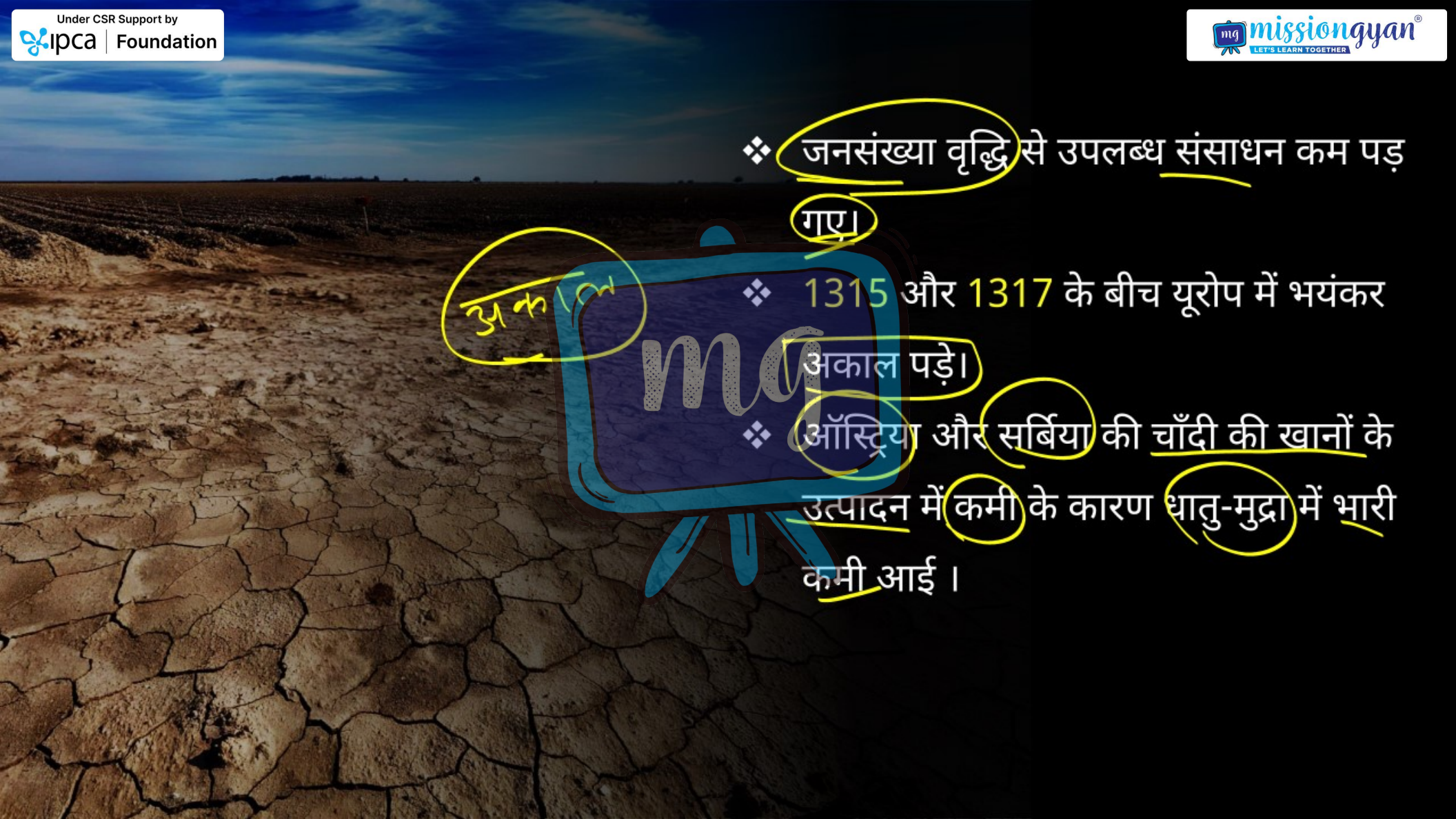
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- पैदावार वाले मौसम छोटे हो गए ।
- ऊँची भूमि पर फसल उगाना कठिन हो गया।
- तूफानों और सागरीय बाढ़ों ने अनेक फार्म प्रतिष्ठानों को नष्ट कर दिया।
- जिसके परिणामस्वरूप सरकार को करों द्वारा कम आमदनी हुई।
- चरागाहों की कमी के कारण पशुओं की संख्या में कमी आ गई।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- जनसंख्या वृद्धि से उपलब्ध संसाधन कम पड़ गए।
- 1315 और 1317 के बीच यूरोप में भयंकर अकाल पड़े।
- ऑस्ट्रिया और सर्बिया की चाँदी की खानों के उत्पादन में कमी के कारण धातु-मुद्रा में भारी कमी आई ।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

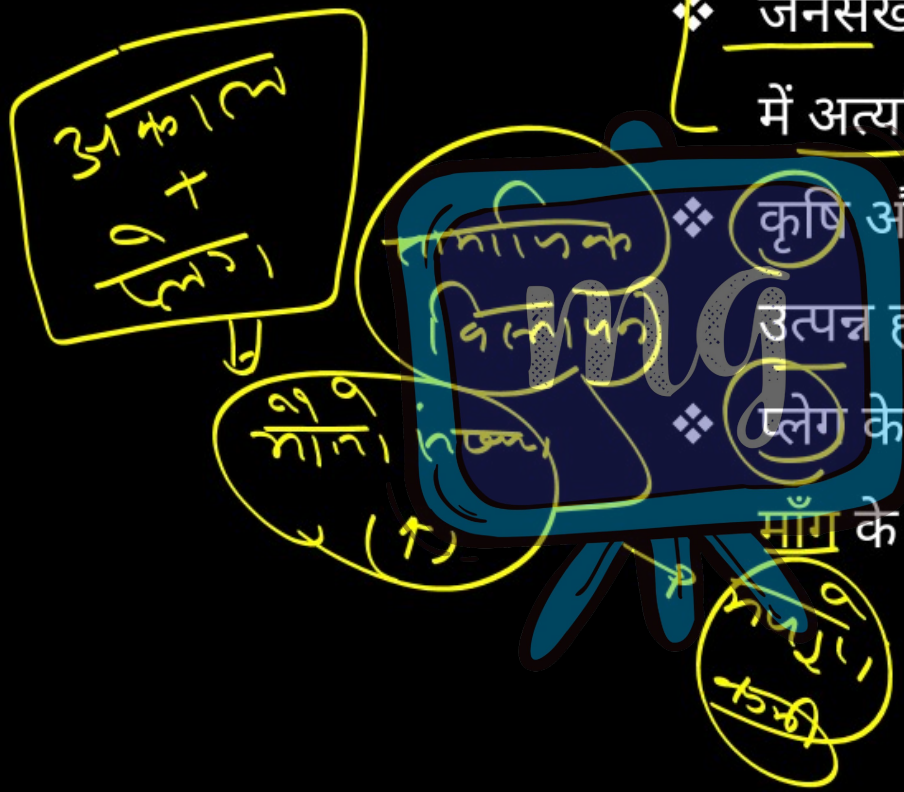
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- सरकार को मुद्रा में चाँदी की शुद्धता को घटाना पड़ा।
- वाणिज्य में विस्तार अन्य देशों से व्यापारिक पोत यूरोपीय तटों पर आने लगे।
- पोतों के साथ चूहे आए जो अपने साथ ब्यूबोनिक प्लेग जैसी महामारी का संक्रमण (Black death) लाए।
- पश्चिमी यूरोप 1347 और 1350 के मध्य महामारी से बुरी तरह प्रभावित हुआ।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

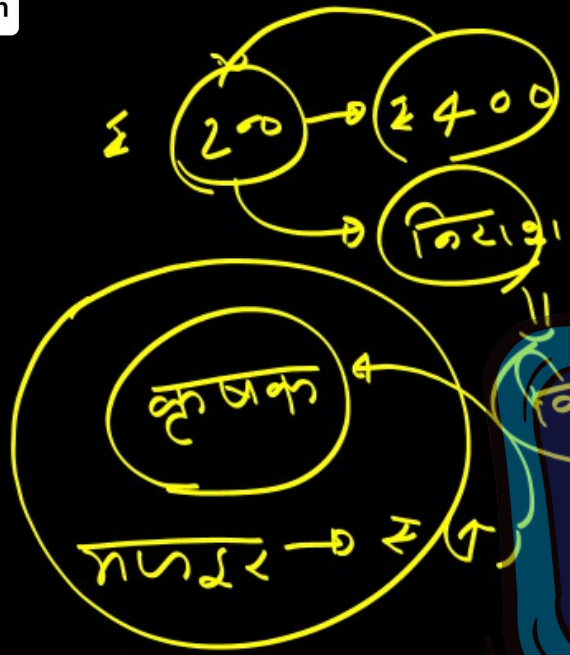
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- जनसंख्या में ह्रास के कारण मज़दूरों की संख्या में अत्यधिक कमी आई।
- कृषि और उत्पादन के बीच गंभीर असंतुलन उत्पन्न हो गया।
- प्लेग के बाद इंग्लैंड में कृषि मज़दूरों की भारी माँग के कारण मज़दूरी की दरों में वृद्धि हो गई।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



सामाजिक असंतोष

- मजदूरी की दरें बढ़ने तथा कृषि संबंधी मूल्यों की गिरावट ने अभिजात वर्ग की आमदनी को घटा दिया।
- लॉर्डों की आमदनी बुरी तरह प्रभावित हुई।
- निराशा में उन्होंने पुरानी मज़दूरी सेवाओं को फिर से प्रचलित कर दिया।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

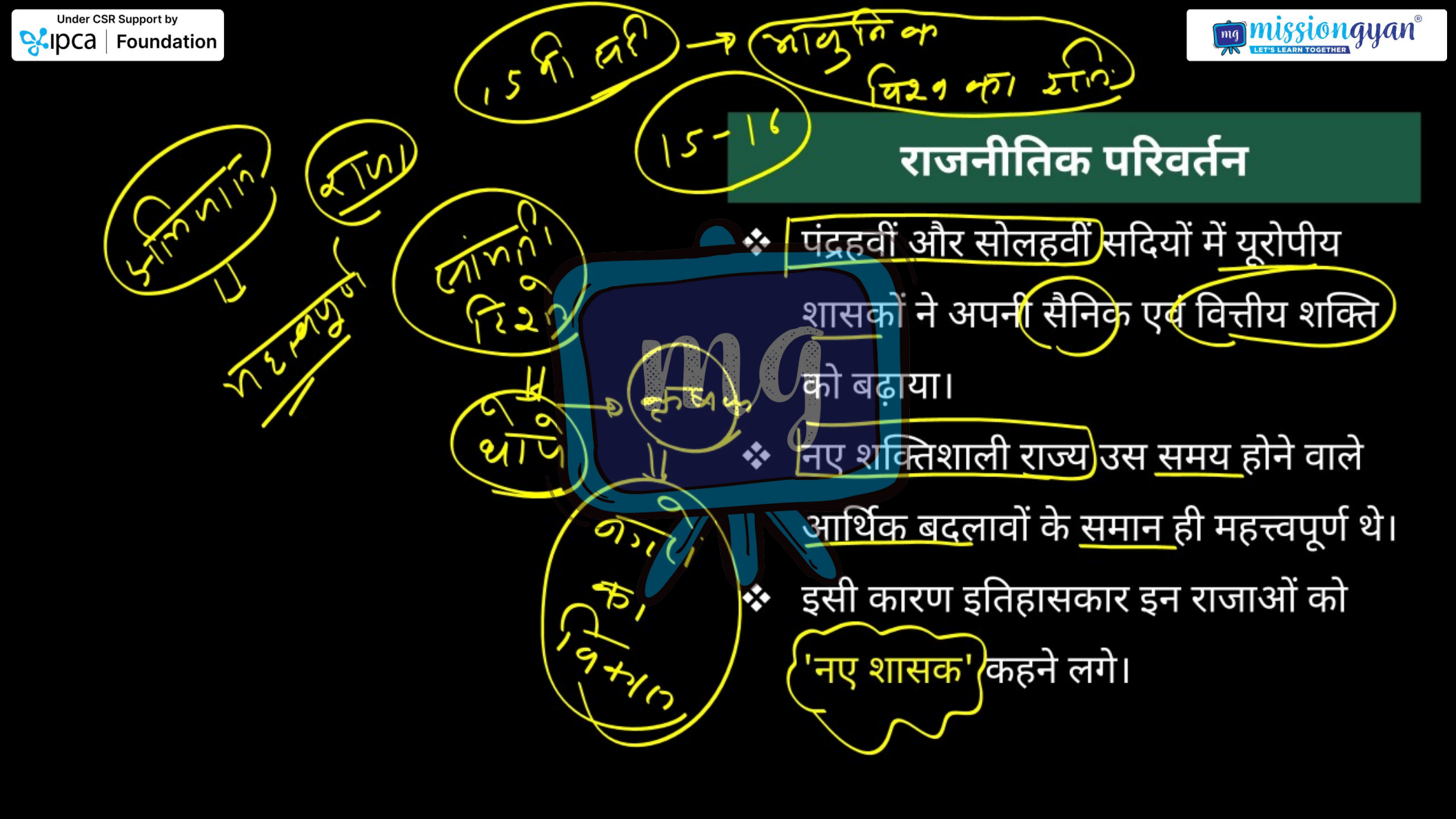
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- इसका कृषकों द्वारा हिंसक विरोध किया गया।
- 1323 में कृषकों ने फ्लैंडर्स में, 1358 में फ्रांस में और 1381 में इंग्लैंड में विद्रोह किए।
- तीव्र दमन के बावजूद कृषक विद्रोहों की तीव्रता ने यह सुनिश्चित कर दिया कि पुराने सामंती रिश्तों को पुनः लादा नहीं जा सकता।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

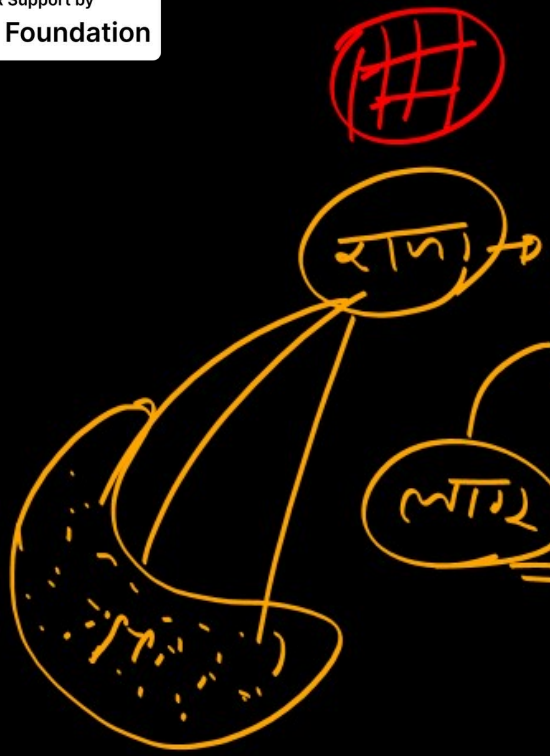


राजनीतिक परिवर्तन

- पंद्रहवीं और सोलहवीं सदियों में यूरोपीय शासकों ने अपनी सैनिक एवं वित्तीय शक्ति को बढ़ाया।
- नए शक्तिशाली राज्य उस समय होने वाले आर्थिक बदलावों के समान ही महत्त्वपूर्ण थे।
- इसी कारण इतिहासकार इन राजाओं को 'नए शासक' कहने लगे।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

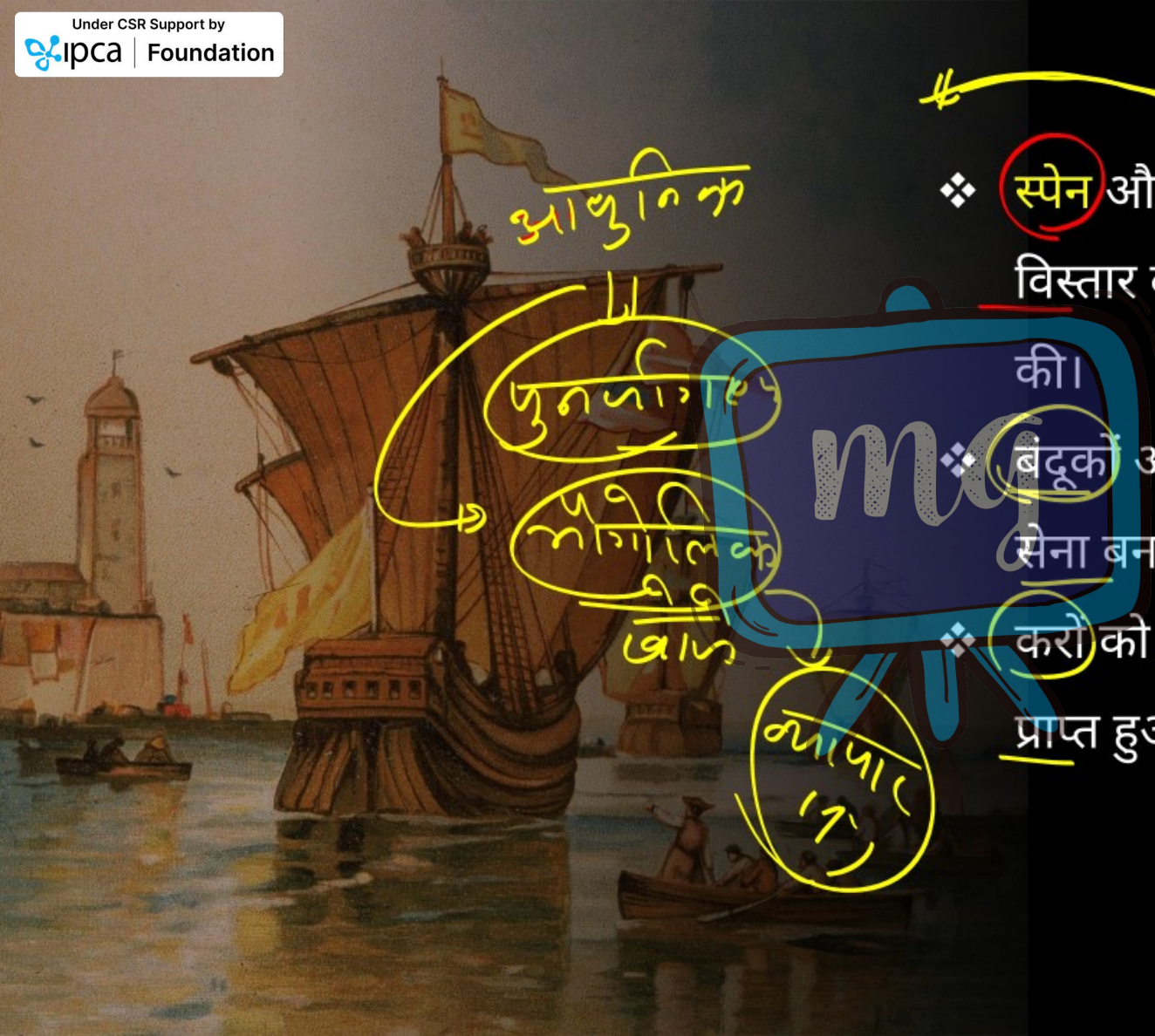
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- फ्रांस में लुई ग्यारहवें, आस्ट्रिया में मैक्समिलन, इंग्लैंड में हेनरी सप्तम और स्पेन में ईसाबेला और फरडीनेंड, निरकुंश शासक थे।
- जिन्होंने संगठित स्थायी सेनाओं, एक स्थायी नौकरशाही और राष्ट्रीय कर प्रणाली स्थापित करने की प्रक्रिया को शुरू किया।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

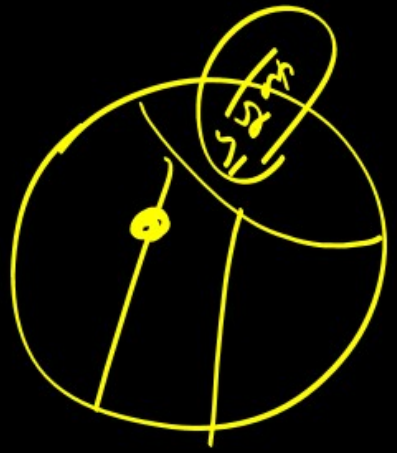
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- स्पेन और पुर्तगाल ने यूरोप के समुद्र पार विस्तार की नयी संभावनाओं की शुरुआत की।
- बंदूकों और बड़ी तोपों से सुसज्जित प्रशिक्षित सेना बनाई ।
- करों को बढ़ाने से शासकों को पर्याप्त राजस्व प्राप्त हुआ।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- राजसत्ता के विरुद्ध हुए विरोधों का एक समान मुद्दा कराधान था।
- इंग्लैंड में विद्रोह हुए जिनका दमन कर दिया गया।
- फ्रांस में लुई XI (1461-83) को ड्यूक लोगों और राजकुमारों के विरुद्ध एक लंबा संघर्ष करना पड़ा।
- सोलहवीं सदी में फ्रांस में 'धर्म-युद्ध' हुआ।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- अभिजात वर्ग ने अपने अस्तित्व को बचाये रखने के लिए जल्दी ही अपने को राजभक्तों में बदल लिया।
- उन्हें प्रशासनिक सेवाओं में स्थायी स्थान दिए गए।
- धन गैर-अभिजात वर्गों जैसे व्यापारियों और साहूकारों के लिए दरबार में प्रवेश करने का एक महत्त्वपूर्ण माध्यम बन गया।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- वे राजाओं को धन उधार देते थे जो इसका उपयोग सैनिकों को वेतन देने के लिए करते थे।
- शासकों ने इस प्रकार राज्य-व्यवस्था में गैर सामंती तत्त्वों के लिए स्थान बना दिया।
- 1614 में लुई XIII के शासनकाल में फ्रांस की परामर्शदात्री सभा, जिसे एस्टेटस जनरल कहते थे का एक अधिवेशन हुआ।

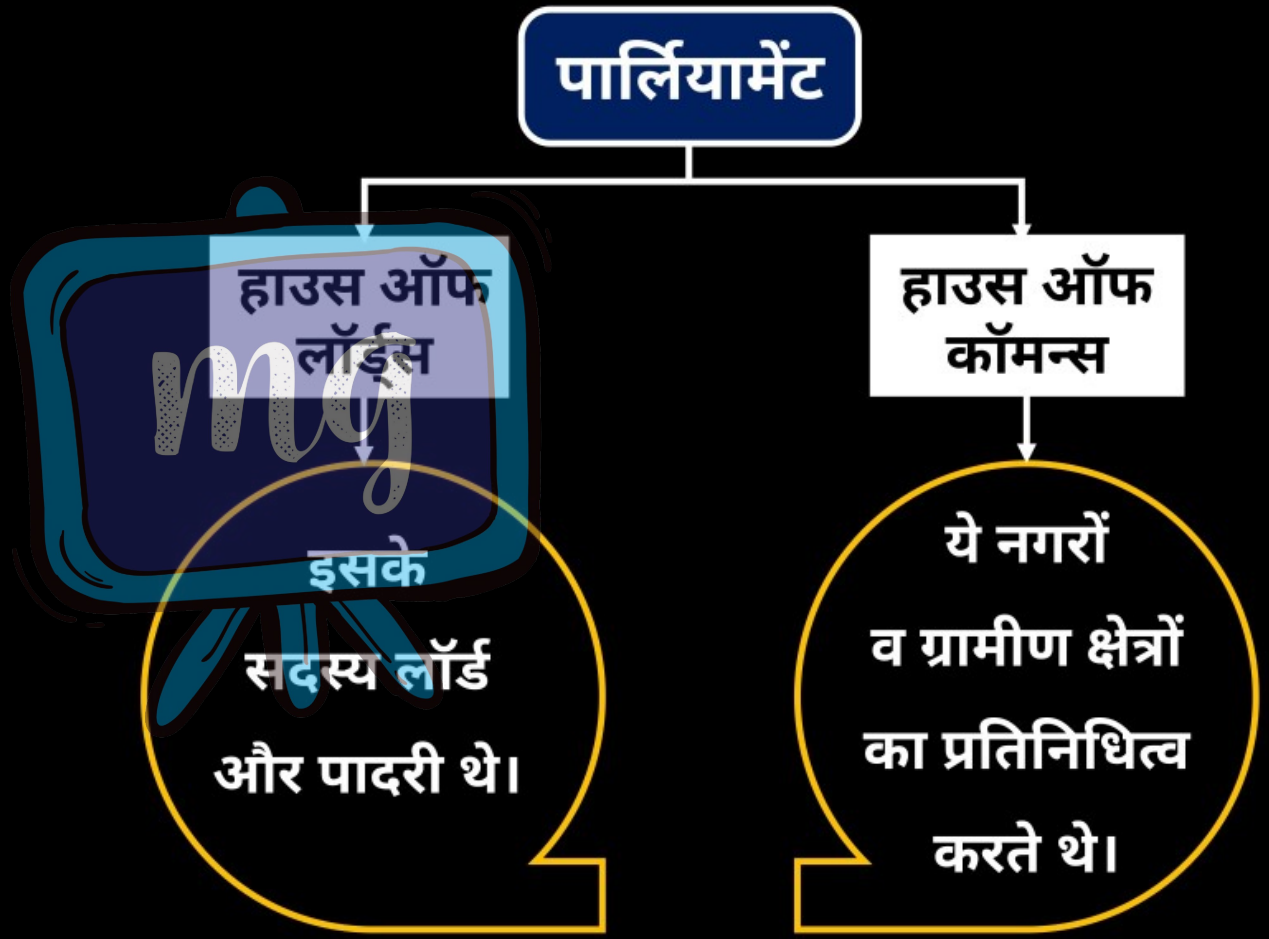
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- इसके पश्चात दो सदियों, 1789 तक इसे फिर नहीं बुलाया गया
- क्योंकि राजा तीन वर्गों के साथ अपनी शक्ति बाँटना नहीं चाहते थे।
- इंग्लैंड नॉरमन विजय से भी पहले एंग्लो-सैक्सन लोगों की एक महान परिषद होती थी।
- कोई भी कर लगाने से पहले राजा को इस परिषद की सलाह लेनी पड़ती थी।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- राजा चार्ल्स प्रथम (1629-40) ने पार्लियामेंट को बिना बुलाए ग्यारह वर्षों तक शासन किया।
- बाद में उसे प्राणदंड देकर गणतंत्र की स्थापना की गई।
- यह व्यवस्था अधिक दिनों तक नहीं चल पाई और राजतंत्र की पुनः स्थापना हुई।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- परंतु इस शर्त पर कि अब पार्लियामेंट नियमित रूप से बुलाई जाएगी।
- वर्तमान में फ्रांस में गणतंत्रीय सरकार है और इंग्लैंड में राजतंत्र है।

